

S. No. of the Question Paper: 3880

Unique Paper Code : 2136000007

Name of the Paper : Fundamentals of Indian Manuscriptology,

Name of the Course : Common Prog. Group : SEC

Semester : VI

Duration : 1 Hour

Maximum Marks : 30

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Answer any **three** questions. All questions carry equal marks.

1. भारतीय पाण्डुलिपियों के अध्ययन की आवश्यकता समझाते हुए, भारतीय भारतीय पाण्डुलिपि-विज्ञान की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
Explaining the need for study of Indian Manuscripts, throw light on the prominent features of Indian Manuscriptology.
2. भारतीय पाण्डुलिपियों की प्राप्ति के विभिन्न स्रोतों को स्पष्ट कीजिए।
Explain the various sources of obtaining the Indian manuscripts.
3. भारतीय पाण्डुलिपियों का संरक्षण क्यों आवश्यक है? साथ ही उनके संरक्षण की प्रक्रिया को समझाइए। (10)
Why is it necessary to preserve Indian manuscripts? Also explain the process of their preservation.
4. आलोचनात्मक संस्करण किसे कहते हैं, यह समझाते हुए इसपर एक निबंध लिखिए।
Explaining what is called a Critical Edition, write an essay on it.
5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (5x2=10)
Write short notes on any **two** of the following:
 - (i) पाण्डुलिपि
Manuscript
 - (ii) मातृका सूची निर्माण
Catalogue Creation
 - (iii) पाण्डुलिपि संरक्षण के लिए जन-जागरूकता
Mass awareness for preservation of the manuscripts
 - (iv) भारतीय पाण्डुलिपि मिशन
National Mission for Manuscripts